## योजना के बारे में

राजस्थान सरकार ने राज्य के शहरी क्षेत्रों में श्रमिकों, रिक्शावालों, ठेलेवालों, ऑटोवालों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, कामकाजी महिलाओं, बुर्जुगों एवं अन्य असहायों, जरूरतमंद व्यक्तियों को ध्यान में रखकर उनकी सेहत के लिए अन्नपूर्णा रसोई योजना की शुरूआत की है।

इस योजना का शुभारम्भ 15 दिसंबर 2016 को किया गया। इस योजना में अन्नपूर्णा रसोई वैन के माध्यम से मात्र रु 5 में नाश्ता तथा मात्र रु 8 में पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है।

योजना के दूसरे चरण में 191 शहरों में 500 अन्नपूर्णा रसोई वैनों के माध्यम से नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

**अन्नपूर्णा रसोई योजना की विशेषताएं**

इस रसोई वैन में लार्भाथियों के लिए नाश्ता, दोपहर का भोजन एवं रात्रि का भोजन उपलब्ध होगा। योजना में नाश्ता मात्र 5 रुपये में मिलेगा। नाश्ता के रूप में पोहा, सेवइयाँ, इडली साँभर, लापसी, ज्वार खिचड़ा, बाजरा खिचड़ा, गेहूं खिचड़ा आदि मिलेंगे।

इस योजना में भोजन की थाली मात्र 8 रुपये में उपलब्ध है, जिसमें प्रत्येक भोजन सामग्री की मात्रा 450 ग्राम है। भोजन के रूप में दोपहर में दाल-चावल, गेहूं का चूरमा, मक्का का नमकीन खीचड़ा, रोटी का उपमा, दाल- ढ़ोकली, चावल का नमकीन खीचड़ा, कढ़ी-ढ़ोकली, ज्वार का नमकीन खीचड़ा, गेहूं का मीठा खीचड़ा इत्यादि शामिल हैं।

योजना में रात्रि भोजन में भी प्रति थाली मात्र 8 रुपये में उपलब्ध है, जिसमें सामग्री की मात्रा 450 ग्राम है। यह सामग्री इस प्रकार है : दाल-ढ़ोकली, बिरयानी, ज्वार की मीठी खिचड़ी, चावल का नमकीन खीचड़ा, कढ़ी-चावल, मक्के का नमकीन खीचड़ा, बेसन गट्टा पुलाव, बाजरे का मीठा खीचड़ा, दाल-चावल, गेहूं का चूरमा इत्यादि।

## बोल बदलाव के

**बाबू लाल**

बसवानी, नागौर

ये अन्नपूर्णा रसोई बहुत अच्छी है, बाहर 80 रुपए में खाना मिलता है, यहाँ 8 रुपए में ही अच्छा स्वादिष्ट खाना है, साफ सफाई है, पानी भी अच्छा है। सरकार ने बढ़िया काम किया है।

**तुलसीराम भगत**

तारपुरा, सीकर

मैं डॉक्टर को दिखाने आया था। पता चला 8 रुपए में ही खाना मिल रहा है। खाया तो बहुत अच्छा लगा। ये पौष्टिक है। मुझे चावल पुलाव और बाजरे का दलिया अच्छा लगा। सरकार ने गरीबों के लिए अच्छा काम किया है।

**राम कुमार**

साउवाड़ा

अन्नपूर्णा रसोई में मैंने 8 रूपये में खाना खाया, मुझे खाना स्वादिष्ट लगा। 8 रूपये में पौष्टिक खाना मिलने से 40-50 रूपये रोज बच जाते है। हम जैसे लोगों के लिए सरकार की यह योजना बहुत अच्छी है।